संक्षिप्त समाचार

माहिरा होम्स केस में ईडी का शिकंजा कसा, कांग्रेस विधायक के दूसरे बेटे की तलाश में हरियाणा से यूपी तक छापे

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब माहिरा होम्स प्रकरण में समालखा से कांग्रेसी विधायक धर्म सिंह छोकर के दूसरे बेटे विकास छोकर की गिरफ्तारी के लिए हरियाणा और उत्तर प्रदेश में उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। वहीं, दूसरी तरफ माहिरा होम्स के खरीदार अधूरी रिहायशी परियोजनाओं के पूरा होने को लेकर चिंतित हैं। शुक्रवार को खरीदारों की तरफ से हरियाणा रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (हरेरा) के बाहर प्रदर्शन किया जाएगा। गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में ईडी ने कहा कि मनी लांड्रिंग मामले में सिकंदर सिंह छोकर को हरिद्वार से गत 30 अप्रैल को गिरफ्तार किया जा चुका है। सेक्टर 68 स्थित माहिरा होम्स के करीब 1500 खरीदारों से वसूली गई करोड़ों रुपये की राशि का दुरुपयोग हुआ है। चार महीने से सिकंदर सिंह छोकर फरार चल रहा था। ईडी ने कहा कि करोड़ों रुपये के फर्जी लेन-देन और खरीदारी की जांच की जा रही है। माहिरा होम्स के निदेशकों ने इस परियोजना की राशि को दूसरी कंपनियों को ऋष्टा के तौर पर दे दिया है। इस राशि से बेनामी संपत्ति, लग्जरी कार, जेवरात बनाए गए हैं। करोड़ों रुपये की राशि को खातों से नकद निकाला गया है। ईडी के बयान के मुताबिक, कांग्रेसी विधायक की बेटी की ऑलीशान शादी भी इस राशि से की है। ईडी अब तक धर्म सिंह छोकर, सिकंदर सिंह छोकर और विकास छोकर के नाम पर 36.5 करोड़ रुपये की संपत्ति को इस मुकदमे के साथ जोड़ चुकी है। ईडी के मुताबिक, अदालत ने कई बार सिकंदर सिंह छोकर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए, लेकिन यह पेश नहीं हुआ। बता दें कि 5 मई तक सिकंदर सिंह छोकर ईडी के रिमांड पर हैं, जिन्हें 6 मई को जिला एवं सत्र न्यायाधीश के सामने पेश किया जाएगा। विधायक धर्म सिंह छोकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ईडी की जांच में शामिल हो चुके हैं। वहीं, इस मामले में दूसरी तरफ माहिरा होम्स के खरीदार अधूरी रिहायशी परियोजनाओं के पूरा होने को लेकर चिंतित हैं।

कारोबारी की कार से मिली मोटी रकम ट्रैफिक कर्मियों ने रख ली, 3 सस्पेंड

नईदिल्ली, एजेंसी। चुनाव आचार संहिता के बीच में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस कर्मियों द्वारा वाहन जांच के दौरान एक कारोबारी की कार से मिली रकम में से एक करोड़ रुपये निकालने का मामला सामने आया है। इस घटना में शामिल आरोपी पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। चुनावी माहौल में दिल्ली के धौला कुआं पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने एक कारोबारी की गाड़ी को जांच के लिए रोक लिया। इसमें रखी रकम से तीन पुलिस कर्मियों ने एक करोड़ रुपये ले लिए। इसकी शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों को मिली तो आरोपी सब-इंस्पेक्टर सहित तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, चुनाव आयोग को सूचित कर यह रकम बरामद कर आयकर विभाग को सौंप दी गई है। सूत्रों का कहना है कि यह रुपये हरियाणा के एक नेता से जुड़े होने का शक है। जानकारी के अनुसार, पुलिसकर्मियों को सूचना मिली थी कि गुरुग्राम के रियल एस्टेट कारोबारी की गाड़ी में तीन करोड़ रुपये ले जाए जाएंगे। उन्होंने धौला कुआं के पास इस गाड़ी को जांच के लिए रोक लिया। बताया जा रहा है कि यह रकम गुरुग्राम के एक नेता के लिए जा रही थी। तलाशी के दौरान पुलिस कर्मियों ने इसमें से एक करोड़ रुपये ले लिए। वहीं बची रकम लेकर कारोबारी का साथी वहां से चला गया। वरिष्ठ अफसरों ने नहीं की कोई कार्रवाई = कारोबारी की तरफ से इस मामले की जानकारी पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। हालांकि, उन्होंने किसी प्रकार की शिकायत करने से इनकार कर दिया। इसके बाद दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने खुद संज्ञान लेकर मामले की जांच शुरू की।

कहीं आपने भी नोएडा में तो नहीं खरीदी जमीन, भूमाफिया कर रहे खेल; अथॉरिटी की लोगों से अपील

नईदिल्ली, एजेंसी।
नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में 22 सेक्टर और छह गांवों में बड़े पैमाने पर अवैध कॉलोनी काट कर लोगों को ठगा जा रहा है। प्राधिकरण ने बुधवार को इन सेक्टर और गांवों की सूची सार्वजनिक कर लोगों से वहां बिना जांच भूखंड न खरीदने की अपील की है। प्राधिकरण ने इन अवैध कॉलोनी काटने वालों को भूमाफिया बताया है। सीईओ द्वारा उनके खिलाफ कार्रवाई का दावा किया जा रहा है।

नोएडा प्राधिकरण की ओर से जारी की गई इस सूचना को प्राधिकरण के कार्यालय में चस्पा किए जाने के साथ ही अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी लगवाया गया है। इसको प्रसारित भी कराया जा रहा है। प्राधिकरण की ओर से जारी सूचना में कहा गया है कि नोएडा के सेक्टर-82, 91, 92, 93, 93ए, 93बी, 101, 102, 104, 105, 106, 107, 108. 110, 136, 137, 141, 142, 143, 143ए, 143बी, 144, गांव सलारपुर, हाजीपुर, गेझा तिलपताबाद, भंगेल बेगमपुर, गढ़ी और शहदरा में कुछ अज्ञात व्यक्तियों और भूमाफिया द्वारा नोएडा प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन पर अवैध कॉलोनियां काटी जा रही हैं।

इन कॉलोनी में अवैध रूप से प्लाटिंग कर उनको बेचा जा रहा है। इस जमीन पर की जाने वाली प्लाटिंग और उसकी खरीद-फरोख्त अवैध है। प्राधिकरण ने लोगों से अपील की कि वह इन अवैध कॉलोनियों में कोई भी भूखंड न खरीदें। इन अवैध कॉलोनियों को

प्राधिकरण द्वारा ध्वस्त किया जाएगा। कॉलोनी काटने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। नोएडा प्राधिकरण की ओर से तीन गांवों के खसरा नंबर भी जारी किए गए हैं। जहां पर लोगों से जमीन न खरीदने की अपील की गई है। प्राधिकरण के अनुसार सलारपुर में खसरा संख्या 700 से 715, 727, 728, 779, 780, हाजरीपुर में खसरा संख्या 412 व 514 और गांव भंगेल के खसरा संख्या 217, 225, 226, 227 और 239 की सूची जारी कर यहां पर अवैध रूप से जमीनों की खरीद फरोख्त के आरोप लगाए गए हैं। प्राधिकरण की टीम ने तीन दिन पहले इन इलाकों में अवैध निर्माणों के खिलाफ ध्वस्तीकरण अभियान चलाकर नोटिस जारी किए थे। वहां बनी अवैध बिल्डिंगों पर लिखवाया था कि ये बिल्डिंग अवैध हैं। आरोप है कि प्राधिकरण की टीम के लौटते ही वहां पर दोगुनी तेजी से निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। प्राधिकरण ने जहां पर लिखवाया था कि यह बिल्डिंग अवैध हैं, उन्हें भी पोत दिया गया है। अधिवक्ता राम कुमार शर्मा का कहना है कि जहां पर अवैध रूप से बिल्डिंगों की खरीद फरोख्त हो रही है, ऐसी सभी जमीनों के खसरा नंबरों की सूची प्राधिकरण द्वारा रजिस्ट्री विभाग में देकर उनकी रजिस्ट्री बंद कराई जानी चाहिए। इससे वहां पर अवैध रूप से जमीनों के बैनामे नहीं हो सकेंगे।

दिल्ली पुलिस हेड क्वार्टर को भेजा बम की धमकी वाला ईमेल, पुलिस ने शरारती किशोर को पकड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में बम की धमकी का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि अब दिल्ली के ही नांगलोई में कथित धमकी भरा ईमेल भेजने मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में एक किशोर को पकड़ा था, लेकिन नाबालिग होने के चलते पूछताछ कर छोड़ दिया। आरोपी के नाबालिग होने के चलते पुलिस ने उससे जुड़ी जानकारी शेयर नहीं की है। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को दिल्ली पुलिस मुख्यालय को कथित तौर पर एक धमकी भरा ईमेल मिला था। ईमेल भेजने के आरोप में पुलिस ने एक किशोर लड़के को पकड़ा। ईमेल में उसने बाहरी दिल्ली के नांगलोई इलाके में बम लगाए जाने की बात कही थी। इलाके में गहन जांच के बाद पुलिस ने ईमेल भेजने के आरोपी किशोर को पकड़ लिया। किशोर द्वारा यह मेल शरारत के तौर पर भेजा था। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी किशोर से पूछताछ करने और उसकी काउंसलिंग कराने के बाद उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया है। सेंट्रल दिल्ली में जय सिंह रोड पर स्थित दिल्ली पुलिस मुख्यालय नांगलोई से लगभग 18 किलोमीटर दूर है। पीएचक्यू ने एक बयान में कहा, ईमेल सेंडर एक नाबालिग है और इसलिए, उसके हित में और जेजे एक्ट के आदेश के अनुपालन में उसकी पहचान से जुड़ी डिटेल शेयर नहीं की जा सकती है। इसमें कहा गया कि मेल शरारत के तौर पर भेजी गई थी। उचित परामर्श के बाद किशोर को उसके माता-पिता को सौंप दिया गया है। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को 200 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की ईमेल के जरिये धमकी मिलने के मामले में दिल्ली पुलिस ने जांच तेज कर दी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने ई-मेल के सटीक स्त्रोत का पता लगाने के लिए गुरुवार को रूसी मेल सेवा कंपनी मेल.आरयू से इंटरपोल के माध्यम से संपर्क किया है। दिल्ली पुलिस ने इंटरपोल के जरिये सूचना हासिल करने के लिए सीबीआई को भी पत्र लिखा है। मामले में दर्ज की गई प्राथमिकी में कहा गया है कि विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ई-मेल का इरादा बड़े पैमाने पर दहशत फैलाना और दिल्ली में कानून-व्यवस्था को बिगाड़ना था। अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हालांकि बुधवार को स्कूलों को उनके परिसरों में बम रखे होने की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद पुलिस ने विद्यालय परिसरों की जांच की थी लेकिन वहां से कुछ भी नहीं मिला था।

देश तोड़ने की विदेशी साजिश का हिस्सा थे प्रबीर, न्यूजक्लिक विवाद पर कोर्ट में दिल्ली पुलिस का दावा

नईदिल्ली, एजेंसी।
न्यूजक्लिक विवाद में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पटियाला हाउस कोर्ट को बताया कि न्यूज क्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ चीन से धन लेकर दंगे भड़काने की साजिश का हिस्सा थे। मंगलवार को आरोपपत्र पर संज्ञान लेने की कार्रवाई के दौरान स्पेशल सेल ने आरोप लगाए कि प्रबीर पुरकायस्थ देश को तोड़ने की अंतरराष्ट्रीय साजिश में शामिल थे।

प्रबीर ने कश्मीर और अरुणाचल को देश का हिस्सा न होने और उन्हें विवादित स्थान बनाने के लिए फोरम बनाए। 2020 के दिल्ली दंगों को भड़काने और बनाए रखने, कोविड पर दुष्प्रचार अभियान चलाने, किसानों के विरोध को भड़काने और इसमें शामिल होने के लिए चीन से धन लिया। इतना ही नहीं, पुरकायस्थ कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ के कई कर्मचारियों को सैलरी देते थे।

कश्मीर में विद्रोह की कोशिश = दिल्ली पुलिस का दावा है कि पुरकायस्थ ने कश्मीर में विद्रोह पैदा करने के लिए अपने बेटे प्रतीक पुरकायस्थ की अध्यक्षता में एक कश्मीर सेल का भी गठन किया था। अनुच्छेद 370 हटने के बाद राष्ट्र विरोधी तत्वों को थोड़ी मात्रा में अवैध विदेशी फंड भी दिया जा रहा था।

दिल्ली हिंसा के लिए शरजील को मिला धन

प्रबीर पुरकायस्थ को श्रीलंकाई मूल के अमेरिकी नागरिक नेविल रॉय सिंघम के स्वामित्व वाली विभिन्न कंपनियों से अवैध धन प्राप्त होता था। आरोप लगाया गया कि सिंघम से प्राप्त धन में से पुरकायस्थ ने एक व्यक्ति को 36 लाख रुपये दिए और इसे 2020 के दिल्ली दंगों को भड़काने के लिए शरजील इमाम को देने का निर्देश दिया।

कोविड के दौरान दुष्प्रचार का आरोप

स्पेशल सेल ने आरोप लगाया कि कोविड महामारी के दौरान सिंघम ने पुरकायस्थ को लेख लिखकर एक कैम्पेन शुरू करने का निर्देश दिया था ताकि लोग भारतीय वैक्सीन लेने से बचें। इसने आरोप लगाया कि परिणामस्वरूप कई लोग मरेंगे, सरकार के खिलाफ असंतोष बढ़ेगा और गृह युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है।

निशुल्क जांच शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे कोरोना के साइड इफेक्ट वाले मरीज

एकदाना फाउंडेशन की ओर से पालिका बाजार में लगाया गया जांच शिविर कैंप

नई दिल्ली 3 अप्रैल। गैर सरकारी संस्था एकदाना फाउंडेशन की ओर से आज पालिका बाजार में निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में होमियोपैथी के जाने माने डाक्टर सुधीर तोमर ने शुगर, गठिया, खांसी, कमजोरी, इम्यूनिटी बुस्टर समेत कोराना के बाद पैदा हुए साइड इफेक्ट से पीडित मरीजों को मुफ्त दवाई दी। साथ ही कोरोना के बाद किस तरह की समस्याएं पैदा हुई उससे बचने के उपाय भी बताएं।

संस्था के ट्रस्टी श्री अमित कुमार ने बताया कि इस तरह की निशुल्क जांच शिविर का आयोजन विभिन्न इलाकों में किया जा रहा है। इस आयोजन का मकसद लोगों को स्वस्थ्य बनाना है। एकदाना फाउंडेशन के इस जांच शिविर में आधी आबादी फाउंडेशन, श्री प्रीतम धाम दशमेश घाट चेरीटेबल ट्रस्ट और माया नारायण संस्थान, पटना ने भी भागीदारी की। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रो से जुड़े विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया। पालिका बाजार शॉप कीपर वेलफेयर के अध्यक्ष श्री दर्शन लाल कक्कड़, महासचिव श्री विनय कुमार, आरजे श्री मनीष आजाद रेडियोवाला, अखिल भारतीय खान पान लाइसेंसी ज वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रविन्द्र गुप्ता, एकदाना फाउंडेशन से श्री धीरज कुमार, श्री ललित बाजाज, श्री गौरी शंकर,श्री विनीत कौशिक, श्री जितेन्द्र गर्ग, श्री नानकचंद बालगोहार, श्री रवि पांडे, श्री अमित , श्री अजय शर्मा के अलावा वीर अर्जुन के चीफ

रिपोर्टर श्री कृष्णदेव पाठक, प्रथम प्रवक्ता के संपादक श्री राकेश रमन, आफ्टर ब्रेक के संपादक श्री मनीष सिंन्हा, वरिष्ठ पत्रकार श्री विवेकानंद , बाबा हरिहर दास जी महाराज आदि को शॉल, प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मनीष आजाद रेडियो वाले ने एक दाना फाउंडेशन की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में हेल्थ सबसे बड़ी पूंजी है और उसका ठीक होना बहुत जरूरी है। अमित जी इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन कर जनता के स्वास्थ्य को और वेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए यह बधाई के पात्र है। रविंद्र गुप्ता ने कहा कि एकदाना फाउंडेशन के दायरे को देखते हुए मुझे लगता है कि समर्थवान लोगों को सामने आकर फाउंडेशन की आर्थिक मदद करनी चाहिए। तथा वहीं इस मौके पर श्री दर्शन लाल कक्कड ने फाउंडेशन की हर संभव सहायता किये जाने क भरोसा दिया।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु आनलाईन 'खुली' ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत् है-

क्रम सं.: 1. ई-निविदा संख्याः NER-LJN-2024-40, कार्य का नामः लखनऊ मंडलः- ट्रैक माउंटेड गेज फेज लुबरीकेटर का प्रावधान-57 नग। अनुमानित लागतः ₹ 3,31,11,181.04, अग्रिम धनः ₹ 3,15,600.00, समापन अवधिः 24 माह।

क्रम सं.: 2. ई-निविदा संख्याः NER-LJN-2024-41, कार्य का नामः सहायक मंडल इंजीनियर/उत्तर/ गोण्डा के अनुभाग में 21 नग एलएचएस से 5 एच.पी. पम्प द्वारा जल निकासी का कार्य। अनुमानित लागतः ₹ 37,17,833.00, अग्रिम धनः ₹ 74,400.00, समापन अवधिः 12 माह।

नोटः 1. उपरोक्त ई-निविदा संख्या NER-LJN-2024-40-41 के लिये ई-निविदा दिनांक 24.05.2024 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेगी। **2.** उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम, अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग
मुजाधि/डब्लू-45 **लखनऊ**

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें।

दिल्ली में नहीं आएगी बाढ़! एनडीएमसी का एक्शन प्लान तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में मॉनसून सीजन आते ही सड़कों पर जगह-जगह जलभराव दिखने लगता है। जिससे ट्रैफिक जाम और गाड़ियों की लंबी कतारें देखने को मिलती हैं। इसके अलावा ज्यादा बारिश होने पर दिल्ली पर बाढ़ का खतरा भी मंडराने लगता है। इस साल नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने पिछले साल की खामियों से सबक लेते हुए इस साल अपने ड्रेनेज सिस्टम (जल निकासी) को लेकर लॉन्ग टर्म (दीर्घकालिक) कार्य योजना तैयार की है। यह जानकारी नगर निकाय के अधिकारियों ने गुरुवार को दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एजेंसी अपनी जल निकासी प्रणालियों में आई दिक्कतों को तुरंत ठीक करने के लिए शॉर्ट टर्म (अल्पकालिक) योजनाएं भी बनाई हैं। अधिकारी ने कहा कि योजनाएं एनडीएमसी द्वारा किए गए एक अध्ययन के बाद तैयार की गईं। इसमें 17 संवेदनशील क्षेत्रों से गाद निकालना भी शामिल है। अधिकारी ने कहा, हमने

नई दिल्ली क्षेत्र के अंदर जल निकासी प्रणालियों के अधिकतम डिस्चार्ज कैपेसिटी (क्षमता) का अध्ययन किया है और जलभराव के पीछे प्रमुख कारणों को रेखांकित किया है। समग्र प्रणाली में कुल 14 उप-जल निकासी प्रणालियां चिह्नित की गई हैं, जिनमें 578 किमी लंबी ढकी हुई नालियां, 11,907 मैनहोल और 14,264 बेल माउथ शामिल हैं। एजेंसी के दूसरे अधिकारी ने कहा कि एनडीएमसी की ड्रेनेज सिस्टम सीमा पूर्व में पश्चिमी यमुना पर रिज और दक्षिण में रिंग रोड के बीच है। अधिकारी ने कहा, इंडिया गेट के उत्तर का क्षेत्र- कनॉट प्लेस और आसपास का क्षेत्र-एमसीडी ड्रेन सिस्टम के जरिए सीधे यमुना तक पहुंचता है। दूसरे अधिकारी ने कहा, हमारे ज्यादातर जल निकासी चैनल कुशक नाले और सुनहरी पुल्ला नाले में गिरते हैं जो अंततः बारापुला तक जाते हैं और फिर यमुना में पहुंचते हैं। योजना के अनुसार, क्षेत्र में बाढ़ के पीछे प्रमुख कारणों में बारापुला बेसिन के पास तेजी से शहरीकरण, पीडब्ल्यूडी और दिल्ली मेट्रो के काम के कारण नालों का रीअलाइनमेंट और सुनहरी पुल्ला नाले के निकास के पास इनवर्टिड (बेतरतीब) ऊंचाई स्तर शामिल है। नगर निकाय का अनुमान है कि जल निकासी सब-सिस्टम में पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) और मजबूतीकरण के काम पर लगभग 1,600 करोड़ खर्च किए जाएंगे।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना
(ई–टेंडरिंग द्वारा)

निविदा संख्या: 558-सिगनल-16-टेली–ओपन टेंडर-997 **दिनांक : 03.05.2024**

कार्य का नाम तथा स्थान	दिल्ली मंडल पर विभिन्न टेलीफोन एक्सचेंज, रेलनेट सिस्टम में आग का पता लगाने और दमन प्रणाली का प्रावधान।
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 2,34,92,724.94/- मात्र
धरोहर राशि (₹)	₹ 2,67,500/- मात्र
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता–C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय	निविदा प्रपत्र जमा अपलोड करने का समय दिनांक 30.05.2024 15:00 बजे तक
वेब साइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है	उत्तर रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें या देखें नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055

1348/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ग्रेटर नोएडा में 12 हजार लोगों को मिलेगा मालिकाना हक

नईदिल्ली, एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा में आम्रपाली की परियोजनाओं में फंसे खरीदारों के लगभग 10 हजार फ्लैटों की रजिस्ट्री शुरू करने की तैयारी है। वहीं, गोदरेज परियोजना के दो हजार खरीदारों की भी रजिस्ट्री होगी। इसके लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में आवेदन किया गया है। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता समाप्त होने के बाद इस काम में तेजी आने की उम्मीद है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट और ग्रेटर नोएडा में आम्रपाली लेजर वैली, सेंचुरियन पार्क लो राइज हाई राइज, ड्रीम वैली, गोल्फ लिंक, कैसल आदि परियोजनाओं में 38 हजार से अधिक फ्लैट खरीदार फंसे हैं। आम्रपाली बिल्डर कंपनी के दिवालिया होने के बाद विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करने का काम नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनबीसीसी) द्वारा किया जा रहा है।

एनबीसीसी द्वारा निर्माण तेजी के साथ किया जा रहा है। आम्रपाली के सभी खरीदारों को मार्च 2025 तक घर मिलने का दावा गया है। एनबीसीसी ने 16 हजार फ्लैटों को हैंडओवर कर दिया है। बाकी के 22 हजार फ्लैट तैयार किए जा रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक, विभिन्न परियोजनाओं में तैयार 10 हजार फ्लैटों की रजिस्ट्री के लिए आवेदन किया गया है। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा में गोदरेज के आवासीय प्रोजेक्ट के 2000 घर खरीदारों की भी रजिस्ट्री जल्द शुरू होगी। गोदरेज की तरफ से रजिस्ट्री के आवेदन किया गया है। परियोजना की जांच पड़ताल के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। आम्रपाली के अलावा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में 96 परियोजनाओं में 72 हजार फ्लैट खरीदार फंसे हैं। फ्लैट पर कब्जे के लिए पिछले कई वर्षों से इंतजार कर रहे हैं। अमिताभ कांत समिति की सिफारिशें लागू होने से प्रोजेक्ट के पूरा होने की उम्मीद बढ़ गई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमरा एनजी ने कहा कि आम्रपाली प्रोजेक्ट के 10 हजार और गोदरेज प्रोजेक्ट के दो हजार फ्लैटों की रजिस्ट्री के लिए आवेदन मिला। इससे जुड़ी प्रक्रियाएं पूरी कर रजिस्ट्री

का काम शुरू करा जाएगा। वहीं, नोएडा-ग्रेटर नोएडा में 92 बिल्डरों ने अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों पर सहमति नहीं दी है, जबकि इसके लिए अंतिम समय मई अंत तक ही है। प्राधिकरण इन बिल्डरों को नोटिस जारी कर सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है। प्राधिकरण का प्रयास है कि बिल्डरों से 25 प्रतिशत बकाया राशि जमा कराकर अधिक से अधिक फ्लैट मालिकों की रजिस्ट्री कराई जाए। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम के अनुसार अमिताभकांत समिति की सिफारिशों को लेकर 57 बिल्डरों को नोटिस जारी किया गया था। इनमें से सिर्फ 15 बिल्डरों ने ही बकाया राशि का 25 प्रतिशत हिस्सा जमा किया है। इसके अनुपात में 1300 फ्लैटों की रजिस्ट्री के लिए ओसी जारी की गई थी। उनमें से करीब 450 फ्लैटों की रजिस्ट्री हो चुकी है और अन्य की रजिस्ट्री प्रक्रिया कराई जा रही है। प्राधिकरण की टीमें अन्य बिल्डरों से भी वार्ता कर प्रयास कर रही हैं कि वे शीघ्र राशि जमा कर रजिस्ट्री कराएं। इसके अलावा प्राधिकरण बिल्डरवार आवंटित फ्लैटों का भी सर्वे कराएगा, जिसके अनुसार आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने क्रेडाई के साथ वार्ता कर उनसे कहा है कि अमिताभकांत समिति की सिफारिशों को स्वीकार करने की अंतिम सीमा मई अंत तक है।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

खुली ई–निविदा सूचना

उप मुख्य अभियंता/टी.एम.सी./ला., उत्तर रेलवे, स्टेट एन्ट्री रोड, नई दिल्ली (भारत के राष्ट्रपति की ओर से) द्वारा मुहरबंद निम्नलिखित कार्य हेतु एक पैकेट खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	कार्य का विवरण और स्थान	उप मुख्य अभियंता/टी.एम.सी./ला. उत्तर रेलवे स्टेट एन्ट्री रोड, नई दिल्ली के अधीन अगले दो वर्षों में टैम्पिंग बैंकों के 18 सेट (सीएसएम/डब्ल्यूएसटी/वीपीआर = 05 सेट, यूनिमैट–2एस/3एस = 02 सेट, यूनिमैट–4एस/एमपीटी = 02 सेट, एमएफआई = 04 सेट, सीएसएम/डीयूओ संशोधित प्रकार = 02 सेट और पीसीटी/सीआरसीसी = 03 सेट) का ओवरहालिंग का कार्य।
2.	कार्य समाप्त अवधि	24 महीने
3.	अनुमानित लागत	₹ 8,94,61,215.00
4.	धरोहर राशि (ऑनलाइन जमा)	₹ 5,97,300.00
5.	निविदा पत्र का मुल्य (ऑनलाइन जमा)	रू– शून्य।
6.	निविदा जमा करने व खुलने की तिथि एवं समय	निविदा प्रपत्र दिनांक 06.05.2024 से दिनांक 27.05.2024 तक सायंकाल 15:00 बजे तक रेल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध रहेगा। निविदा 27.05.2024 को अपराह्न 15:00 बजे के बाद खुलेगी।
7.	निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र का पूर्ण विवरण	इस निविदा की सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा प्रपत्र बिडिंग के लिए IREPS (**www.ireps.gov.in**) पर दिनांक 13.05.2024 से दिनांक 27.05.2024 तक उपलब्ध रहेगा। निविदा से संबंधित सभी नियम व शर्त निविदा प्रपत्र में दी गयी हैं। निविदा सूचना का विवरण इस कार्यालय के सूचना पटल पर भी देख सकते हैं।

प. सं.– 1-डब्ल्यू–उ.मु.अभि.–टी.एम.सी.–ला.–टी.बी-01-24-25 दिनांक–03.05.2024 1351/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ